दिनांक-12.01. 2022

प्रेस विज्ञप्ति

रेलटेल रेलवे परिसर/भूमि पर 102 स्थानों पर विशेष रूप से देश में टियर -2 और टियर -3 शहरों में पार्टनरों के साथ मिलकर संयुक्त रूप से कई "एज डेटा सेंटर" बनाएगी

यह प्रयास ग्रामीण और अर्ध-ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल परिवर्तन और कुशल डिजिटल डिलीवरी की गति को तेज करेगा

एज डेटा सेंटर का प्रमुख लाभ यह है कि न्यूनतम समय में सेवाओं का त्वरित वितरण होता है

इस गतिविधि में पीपीपी मॉडल के अंतर्गत लगभग 500 करोड़ रुपए निवेश के अवसर होंगे

रेलटेल द्वारा उद्योग को पार्टनर बनाने हेतु अभिरुचि की अभिव्यक्ति (Expression of Interest) आमंत्रित करने के साथ ही इन एज डेटा केंद्रों को स्थापित करने की प्रक्रिया को शुरु किया गया है।

रेलटेल रेल मंत्रालय का एक केंद्र सरकार का सार्वजनिक उपक्रम है जो सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (ICT) सेवाएं उपलब्ध कराती है और यह देश के सबसे बड़े तटस्थ दूरसंचार अवसंरचना प्रदाताओं में से एक है, जिसके पास रेलवे ट्रैक के साथ 60000 से अधिक मार्गकिलोमीटर (और वृद्धिशील) अखिल भारतीय ऑप्टिकल फाइबर केबल (OFC) नेटवर्क है। यह ओएफसी नेटवर्क देश के महत्वपूर्ण कस्बों और शहरों और कई ग्रामीण क्षेत्रों को कॅवर करता है।

ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में डिजिटल परिवर्तन और कुशल डिजिटल डिलीवरी की गति में तेजी लाने के लिए, रेलटेल ने पार्टनरों के साथ संयुक्त रूप से देश के विभिन्न भागों में ऐसे क्षेत्रों में कई **"एज डेटा सेंटर"** बनाने का निर्णय लिया है। रेलटेल की यह नई पहल भारत सरकार के डिजिटल इंडिया के मिशन को बढ़ावा देगी।

एज डेटा सेंटर नेटवर्क के एज पर स्थित छोटे डेटा सेंटर होते हैं, जो अंतिम उपयोगकर्ताओं और उपकरणों के दूरी को कम कर देते हैं। एज पर इस प्रकार की सुविधा होने से शीघ्रता से निष्पादन और विलंबता में कमी आएगी। इस प्रकार संगठनों को इसे संसाधित करने के लिए डेटा को दूर-दराज के डेटा केंद्रों में स्थानांतरित नहीं करना होगा। डेटा सेंटर प्रबंधकों के लिए विलंब होना हमेशा एक समस्या रही है और आजकल बड़े डेटा, इंटरनेट ऑफ़ थिंग्स, क्लाउड और स्ट्रीमिंग सेवाओं और अन्य प्रौद्योगिकी प्रवृत्तियों जैसे नेक्स्ट जनरेशन एप्लिकेशन्स की विस्तृत श्रृंखला को देखते हुए यह एक महत्वपूर्ण चिंता का विषय बन गया है।

रेलटेल रेलवे परिसर/भूमि पर 102 स्थानों विशेषकर टियर-2 और टियर-3 शहरों में ऐसे एज डेटा सेंटर स्थापित करने के लिए पार्टनरों की तलाश कर रही है। संभावित बिजनेस एसोसिएट्स/पार्टनर भारत में पंजीकृत कंपनी होनी

चाहिए। इस गतिविधि से लगभग 500 करोड़ रुपए के निवेश अवसर मिलेगा। रेलटेल द्वारा उद्योग को पार्टनर बनाने हेतु अभिरुचि की अभिव्यक्ति आमंत्रित करने के साथ ही इन एज डेटा केंद्रों को स्थापित करने की प्रक्रिया को शुरु किया गया है।

प्रस्तावित योजना के अंतर्गत, प्रत्येक लोकेशन पर परिकल्पित एज डाटा सेंटर की प्रारंभिक क्षमता लगभग 20 रैक (प्रत्येक 5 किलोवाट से 10 किलोवाट) की हो सकती है। हालांकि, अलग-अलग लोकेशनों पर स्पेस, पॉवर और अन्य कारकों की आवश्यकता और उपलब्धता के अनुसार परिवर्तनीय रैक और बिजली घनत्व वाले एज डेटा सेंटर की भी संभावनाएं भी देखी जा सकती हैं।

रेलटेल के पास लगभग 9300 से अधिक प्वाइंट ऑफ प्रेजेंस (PoP) और रेलवे ट्रैक के साथ और भारतीय रेलवे के परिसर में व्यापक ऑप्टिकल फाइबर कनेक्टिविटी है, जो इस प्रकार के एज डेटा सेंटर की स्थापना के लिए मूल अवसंरचना को सुगमता से उपलब्ध कराती है। रेलटेल के पास चयनित बिजनेस एसोसिएट्स को दूरसंचार/इंटरनेट कनेक्टिविटी उपलब्ध कराने का उत्तरदायित्व होगा।

एलटीई, टीसीएएस आदि जैसे रेलवे के महत्वपूर्ण एप्लिकेशन्स के लिए डेटा सेंटर के उपयोग को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाएगा। स्वास्थ्य, शिक्षा, कौशल विकास क्षेत्रों सहित बाजार की आवश्यकता के आधार पर सेवा की पेशकश चयनित पार्टनरों को साथ में लेकर तैयार की जाएगी, जिसमें एक या एक से अधिक बेसिक सर्विस प्लेटफार्म शामिल हो सकते हैं जैसे रैक कोलोकेशन, मैनेज्ड कोलोकेशन, इंफ्रास्ट्रक्चर-एज-ए-सर्विस (IaaS), प्लेटफॉर्म -एज-ए-सर्विस (PaaS), (क्लाउड कंप्यूटिंग सेवाओं की श्रेणियां) आदि।

एज डेटा सेंटर, रेलवॉयर ब्रॉडबैंड ग्राहकों के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए लोकप्रिय सामग्री के 'कैशिंग' (caching) के लिए आईटी अवसंरचना को स्थापित करने के लिए रेलटेल को सक्षम करेगा क्योंकि कैश्ड (cached) सामग्री को नेटवर्क के लांग स्ट्रेच में यात्रा करने के बजाय स्थानीय रूप से उपलब्ध कराया जाएगा। इसी तरह कंटेंट प्लेयर्स के साथ 'पीयरिंग' (Peering) के लिए आईटी इन्फ्रास्ट्रक्चर को भी इन एज डेटा सेंटर्स में तैनात किया जा सकता है जो कंटेंट की डिलीवरी के लिए कॉस्ट इकोनॉमिक्स को बेहतर करेगा (जैसे यूट्यूब, हॉटस्टार आदि)।

ये केंद्र रेलटेल को नेटवर्क के लचीलेपन में सुधार करने और रेलटेल की "रेलवॉयर" ब्रॉडबैंड सेवाओं के ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाने में मदद करेंगे। रेलटेल का वर्तमान ग्राहक आधार लगभग 4.4 लाख है और इस तरह के एज डेटा सेंटर के आने से यह और वृद्धि होगी।
रेलटेल के पास पहले से ही 2 अपटाइम यूएसए प्रमाणित डेटा केंद्र हैं-एक राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (गुरुग्राम) में और दूसरा सिकंदराबाद में।

इसके बारे में बात करते हुए श्री पुनीत चावला, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, रेलटेल ने कहा, "ऐसे स्थानीय डेटा सेंटर्स की मदद से, ग्रामीण क्षेत्रों को डिजिटल कौशल, वित्तीय समावेशन, डिजिटल साक्षरता आदि से

संबंधित कम समय में एप्लिकेशन्स के साथ सेवा उपलब्ध करायी जा सकती है। एज डेट सेंटर इन क्षेत्रों की आबादी बेहतर अनुभव और डिजिटल सेवाओं उपलब्ध कराने में सहायक होंगे और जो डिजिटल अर्थव्यवस्था में योगदान होगा। यह कदम डिजिटल परिवर्तन की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम होगा। यह स्थानीय पेशेवर कुशल जनशक्ति को इस परिवर्तन में भाग लेने का अवसर भी उपलब्ध कराएगा।

रेलटेल के बारे में

रेलटेल एक "मिनी रत्न (श्रेणी-I)" केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र का उद्यम है, जो देश के सबसे बड़े तटस्थ दूरसंचार अवसंरचना प्रदाताओं में से एक है, जिसके पास देश के कई कस्बों और शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों को कॅवर करने वाला एक अखिल भारतीय ऑप्टिक फाइबर नेटवर्क है। 60000 मार्गकिलोमीटर के एक मजबूत विश्वसनीय ऑप्टिक फाइबर नेटवर्क के साथ-साथ, रेलटेल के पास दो टियर III डेटा सेंटर भी हैं। अपने अखिल भारतीय उच्च क्षमता नेटवर्क के साथ, रेलटेल विभिन्न फ्रंटों पर एक नॉलेज सोसाइटी बनाने की दिशा में कार्य कर रही है और इसे दूरसंचार के क्षेत्र में भारत सरकार की विभिन्न मिशन-मोड परियोजनाओं के क्रियान्वयन के लिए चुना गया है। रेलटेल एमपीएलएस-वीपीएन, टेलीप्रेजेंस, लीज़्ड लाइन, टॉवर को-लोकेशन, डाटा सेंटर सेवाएं आदि जैसी सेवाओं का एक समूह उपलब्ध कराती है। रेलटेल भारतीय रेलों के साथ मिलकर देश भर के स्टेशनों पर सार्वजनिक वाई-फाई उपलब्ध कराकर रेलवे स्टेशनों को डिजिटल हब में परिवर्तित करने के लिए भी कार्य कर रही है। ।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें-

sucharita@railtelindia.com